Naidunia (Indore), 04th March 2025, Page - 02

नवाचार : आइआइटी इंदौर के स्टार्टअप ने बनाई डिवाइस, करेगी लकवाग्रस्त मरीजों की मदद

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: आइआइटी इंदौर के शिक्षक और विद्यार्थियों ने ऐसी डिवाइस तैयार की है, जो लकवाग्रस्त मरीजों की मदद करेगी। स्टार्टअप नोवा वाक द्वारा तैयार डिवाइस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व न्यूरोलाजी का उपयोग किया गया है। यह डिवाइस मरीज की जरूरत के मुताबिक उसे चलने में सक्षम बनाएगी। आइआइटी इंदौर के स्टार्टअप के साथ डिजिटल हेल्थकेयर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले 15 स्टार्टअप को दिल्ली में पांच करोड़ रुपये की फंडिंग दी गई है। यह राशि हर स्टार्टअप के लिए बढ़ाकर एक करोड़ भी की जा सकती है।

आइआइटी आइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन और आइआइटी इंदौर द्वारा डेवलपिंग इनोवेशंस फार सक्सेसफुल हार्नेसिंग एंड एडाप्शन, दिशा पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था। यहां उक्त स्टार्टअप के साथ किसी भी भाषा में डाक्टर से बात करने के

कार्यक्रम में फंडिंग प्रदान करते केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह। ● सौजन्य

लिए तैयार एआइ बेस्ड साल्यूशन, ग्रामीण क्षेत्रों में अल्ट्रासाउंड रोबोट की मदद से सोनोग्राफी करने में सक्षम डिवाइस और सूटकेस में समाने वाली पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट जैसे स्टार्टअप को भी फंडिंग प्रदान की गई। इन 15 स्टार्टअप में से कुछ आइआइटी के प्रोफेसर्स ने शुरू किए हैं तो कुछ भोपाल एम्स के डाक्टरों ने। वहीं, कुछ स्टार्टअप्स डाक्टर और इंजीनियर्स ने मिलकर बनाए हैं।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आइआइटी इंदौर ने ऐसे स्टार्टअप्स की मदद की है, जो हेल्थ केयर के क्षेत्र में क्रांतिकारी काम कर रहे हैं। आज से 10-20 साल पहले जिन बीमारियों का इलाज असंभव लगता था वह आज स्टार्टअप्स ने संभव कर दिखाया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी के सेक्रेटरी अभय करंदीकर, आइआइटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर सुहास जोशी और डिपार्टमेंट आफ फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलाजी की हेड डा. एकता कपूर मुख्य रूप से मौजूद थे।